ये अव्यक्त इशारे

कर्मयोगी बनो

16-06-2024

कर्मयोगी आत्मा सदा साक्षी दृष्टा बन कर्म करने के कारण किसी भी कर्म के बन्धन में कर्मबन्धनी आत्मा नहीं बन सकती। कर्म का फल श्रेष्ठ होने के कारण कर्म सम्बन्ध में आते हैं, बन्धन में नहीं। सदा कर्म करते हुए भी न्यारे और बाप के प्यारे अनुभव करते हैं। ऐसी न्यारी और प्यारी आत्मायें अभी भी अनेक आत्माओं के सामने दृष्टान्त अर्थात् एक्जैम्पुल बनती हैं उन्हें देखकर अनेक आत्मायें स्वतः कर्मयोगी बन जाती हैं।

Be a karma yogi.

Because a karma yogi soul will always be a detached observer in every action, he will not have any karmic bondage through any actions. Because the fruit of action is elevated, they come into relationship of karma, not into bondage. While performing actions, they always experience themselves to be detached and loving to the Father. Such detached and loving souls, even today, are an example in front of many souls, that is, they become an example and, seeing them, many other souls automatically become karma yogis.